BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

विषय – हिंदी

कक्षा– सातवीं

निर्देश ः-

1. पाठ को समझने के लिए दिए गए लिंक देखें।
2. दिए गए कठिन शब्द तथा अभ्यास कार्य के प्रश्न कॉपी में करें।
3. कॉपी की जाँच स्कूल खुलने के बाद की जाएगी।

पाठ- मिठाईवाला

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें तथा पाठ को समझें:-

https://www.youtube.com/watch?v=qK04oYK-Yeo&feature=youtu.be

पाठ परिचय : -

- 'मिठाईवाला' पाठ 'भगवतीप्रसाद वाजपेयी' द्वारा रचित है।
- यह कहानी एक मिठाईवाले के उदारता और ममता भरे जीवन को दर्शाती है।
- कहानी का उद्देश्य बच्चों में संवेदनशीलता एवं ममत्व का भाव उत्पन्न करना है।

पाठ का सार ः -

मिठाई वाला कहानी एक बहुत ही मार्मिक कहानी है। जिसमें मिठाई बेचने वाला व्यक्ति बच्चों के खुशियों के लिए मिठाई , खिलौने, बंसी सब कुछ सस्ते में बेचता है जिससे सभी बच्चे खुशी खुशी खरीद लेते हैं। बच्चों के माता-पिता मिठाई वाले के इतने सस्ते दाम पर चीजें बेचने पर हैरान होते हैं। कई लोग तो

BBPS, PITAMPURA

कोसते भी है कि वह सबको लूटता है। वास्तव में मिठाई वाला अपनी हानि करके ही सबकुछ सस्ते में लूटा देता है।वह ऐसा इसलिए करता है क्योंकि वह अपने बीवी और बच्चे को खो चुका था। बच्चों को चीजें सस्ती दाम पर बेचकर वह उनके चेहरे पर आई खुशियों से खुश होता था। वह अपने बच्चे की कमी को महसूस करता था और हर बच्चे में अपने बच्चे को ढूंढता था। वह गाना गाकर, बंसी बजाकर खिलौना और मिठाई बेचता था इसलिए सभी बच्चे उसके आने को समझ जाते थे और भीड़ कर बारी बारी से चीज खरीदते थे और सब उससे उसके बच्चे की तरह प्रेम करते थे।

यह कहानी भगवतीप्रसाद वाजपेयी जिसमें कहानीकार ने एक पिता का बच्चों के प्रति प्रेमभाव को दर्शाया है| किस तरह से एक पिता अपने बच्चों को खोने के बाद अन्य बच्चों में उस ख़ुशी की तलाश करता है|

एक आदमी पहले एक खिलौनेवाले के रूप में आता है। वह मधुर स्वर में बच्चों को बहलाने वाला, खिलौनेवाला' गाकर सुनाता है। सभी बच्चे उसके खिलौनों पर रीझकर अपनी तोतली आवाज़ में भाव पूछते हैं। नन्हे-नन्हे बच्चों से पैसे लेकर तथा उन्हें खिलौने दे वह फिर वहाँ से गीत गाता हुआ चल पड़ता है| राम विजय बहादुर के बच्चे चुन्नू-मुन्नू भी एक दिन खिलौने लेकर आए। उनकी माँ रोहिणी इतने सुंदर और सस्ते खिलौने देखकर सोचने लगी कि वह इतने सस्ते खिलौने कैसे दे कर गया।

इसके छह महीने बाद नगर में किसी मधुर मुरली बजाकर बेचने वाले का समाचार शहर फैल गया। वह बहुत सस्ती मुरली बेचता था। रोहिणी उसकी आवाज़ सुनकर पहचान गयी ये वही खिलौनेवाला है| रोहिणी ने अपने पति के द्वारा इस मुरलीवाले को बुलाया तथा अपने बच्चों के लिए मुरली खरीद ली। फिर उसे देख बच्चों का समूह खुश होकर उसके चारों तरफ़ इकट्ठा हो गए। मुरली वाले ने सभी बच्चों को देने के बाद उस बच्चे को भी मुफ्त में मुरली दी जिसके पास पैसे भी नहीं थे।

इसके आठ मास बाद सर्दियों में एक मिठाई बेचने वाला गीत गाता हुआ आया। रोहिणी को इसका स्वर भी कुछ सुना हुआ-सा लगा। वह अपनी छत से तुरंत नीचे आई। उसने मिठाईवाले को बुलाया। रोहिणी के पूछने पर उसने बताया कि वह इससे पहले खिलौने और मुरली बेचने आया था। रोहिणी ने उससे पूछा कि वह इतनी सस्ती चीज़ें क्यों बेचता है| मिठाईवाले ने बताया कि वह एक नगर का अमीर आदमी था। उसके दो बच्चे और एक सुंदर पत्नी थी लेकिन अब कुछ भी नहीं रहा। वह अपनी पुरानी बातें याद करके फूट-फूटकर रोने लगा। उसने बताया कि वह इन्हीं बच्चों में अपने बच्चों की झलक देखने के लिए यह सामान बेचता फिरता है। वह रोहिणी के बच्चों चुन्नू-मुन्नू को कागज़ की पुड़िया में मिठाई बिना पैसे लिए ही देकर गीत गाता चल दिया।

कठिन शब्दों के अर्थ -

- मेला - मेरा
- घोला - घोड़ा
- मादक - मस्त
- केछा - कैसा
- छंदल - सुंदर
- अस्थिर - जो स्थिर न हो
- स्नेहाभिषिक्त - प्रेम में डूबा हुआ
- कंठ - गला
- उस्ताद - कुशल
- साफ़ा - पगड़ी
- मृदुल - कोमल
- चिक - घूँघट
- स्मरण - याद
- विस्मयादि भावों में - हैरानी से युक्त भावों में
- अतिशय - बहुत अधिक
- कोलाहल - शोर
- छज्जा - छत का आगे वाला भाग
- सोथनी - पाजामा
- अंतर्व्यापी - बीच में फैला हुआ
- अम - हम
- लेंदे - लेंगे
- इछका - इसका
- मुल्ली - मुरली
- औल - और
- दुअन्नी - दो आने
- स्नेहसिक्त - प्रेम में डूबा हुआ
- क्षीण - नष्ट
- आजानुलंबित - घुटनों तक लंबे
- केश-राशि - बालों का समूह
- पोपला मुँह - जिसमें दाँत न हों
- चेष्टा - कोशिश

अभ्यास कार्य : -

प्रश्न 1) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए ।

क) अस्थिर -

ख) सजीव -

ग) मृदुल -

घ) स्मरण -

ड) परिचित -

प्रश्न 2) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

क) विचित्र -

ख) उद्यान -

ग) पुलकित -

घ) चेष्टा -

प्रश्न 3) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण- विच्छेद कीजिए।

क) खिलौना -

ख) मिठाई -

ग) स्वर -

घ) व्यर्थ -

ड) इच्छानुसार -